

(2) स्वर |व्यंजन भागम से अग्राह्न (1) स्वर आगम से अश्री च अहिस्या अत्याधिक आधीन

*(रिन्*नुकूल



(ii) व्यंजन आगम मे अशुद्धि -

सहस्य चिक्कीया मानवीयकरण संसहस्रोत

अगुर्ड कुत्युक्तत्य सम्बद्ध श्रुह्म कुलकुत्य प्रयु सम्



3 स्वर | व्यंजन भोप के कारण अश्रिच-

35de 3521 जमाल 4042

व्यु ह्य 3699 उप्जिथिन जामाला स्वास्थ्य

अश्रु इ गणभान्य जीत्स्ना प्रतिह्यया

2/ ह गाध्यभान्य



(4) क्रम भंग/व्यमिक्रम में अशुद्धि -

अये। ही **बस्ट**

शुड्ड

अथु हैं आफ्टाद अपरान्ह जिन्हा प्रम्हाद

खुड आह्लार अपराक्ष जिक्षा प्रह्लाद



ड कि परिवर्तन से अशुद्धि -

अधिस्राय



6 क्षयुक्ताक्षर । द्वित्व वर्गी से अगुद्धि -

344